एम.ए.एच.

एम.ए. (इतिहास)
प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य

2022-2023

एम.ए. इतिहास प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए
जुलाई 2022 और जनवरी 2023 सत्रों के लिए

एम.एच.आई.-01 : प्राचीन और मध्यकालीन समाज
एम.एच.आई.-02 : आधुनिक विश्व
एम.एच.आई.-04 : भारत में राजनीतिक संरचनाएं
एम.एच.आई.-05 : भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

एम. ए. इतिहास - प्रथम वर्ष
सत्रीय कार्य
जुलाई 2022 - जनवरी 2023 सत्रों के लिए

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीयकार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीयकार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2022 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2023**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2023 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2023**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) **नियोजन** : सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन** : अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति** : जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.एच.आई.-01: प्राचीन और मध्यकालीन समाज
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-01

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-01/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2022-23
पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. मानव समाज के विकास में कृषि के प्रभाव, उपकरणों के आविष्कार और आग की खोज पर चर्चा कीजिए। **20**

2. विभिन्न सभ्यताओं में लेखन और संचार के लिए उपयोग किये जाने वाले विभिन्न माध्यमों का विस्तृत वर्णन कीजिए। **20**

3. प्राचीन ग्रीस में अभिजात्य वर्ग और किसानों के बीच संघर्ष की प्रकृति की व्याख्या कीजिए। इस संघर्ष की परिणति कैसे लोकतंत्र की स्थापना के रूप में हुई? **20**

4. खानाबदोश साम्राज्य से आप क्या समझते है? आपकी अध्ययन अवधि के दौरान खानाबदोश स्थानान्तरण के पैटर्न पर चर्चा कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   (i) सगोत्रता

   (ii) प्रारंभिक सभ्यताओं में शवाधान प्रथाएं

   (iii) कुलीन वर्ग और सामान्य जन (पेट्रीशियन और प्लेबीयन्स)

   (iv) इंका और एज़्टेक लोगों का धार्मिक जीवन

भाग-ख

6. सामंतवाद के पतन की प्रक्रियाओं का विश्लेषण कीजिए। क्या नगरीय केन्द्रों के विकास ने सामंतवाद के पतन में योगदान दिया? **20**

7. पूर्व-आधुनिक चीनी सभ्यता में शाही राज्यसत्ता पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

8. 15वीं शताब्दी में भारतीय व्यापारियों के विदेशी व्यापार पर चर्चा कीजिए। भारतीय विदेशी व्यापार पर पुर्तगालियों का क्या प्रभाव था? **20**

9. मध्यकाल में विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हुए विकास का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    (i) आरमेनियाई व्यापार तंत्र

    (ii) अरब में इस्लाम का उदय

    (iii) अरब क्षेत्र और इस्लामी दुनिया के नगर

    (iv) मध्ययुगीन यूरोप में पारिवारिक संरचनाएँ

एम.एच.आई.-02: आधुनिक विश्व
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-02

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-02/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2022-23
पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. पुनर्जागरण ने किस तरह एक नई दुनिया के निर्माण में योगदान दिया? **20**

2. औद्योगीकरण और आधुनिकीकरण के पश्चात् आधुनिक समाज के विकास पर चर्चा करें। **20**

3. लोकतंत्र को परिभाषित कीजिए। लोकतंत्र की चुनौतियों पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

4. सामंतवाद से पूंजीवाद की ओर संक्रमण संबंधी-विवाद की चर्चा कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   (i) विज्ञान बनाम धर्म

   (ii) उत्तर आधुनिकतावाद

   (iii) एडम स्मिथ

   (iv) ब्राज़ील की अर्थव्यवस्था

भाग-ख

6. साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद को परिभाषित कीजिए एवं दोनों के बीच अंतर को स्पष्ट कीजिए। उपनिवेशवाद के विभिन्न चरण क्या थे? **20**

7. आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के उदय के पीछे वैचारिक और आर्थिक कारणों का विश्लेषण कीजिए। **20**

8. फ्रांस की क्रांति की राजनीतिक और सांस्कृतिक विरासत पर एक लेख लिखिए। **20**

9. उपभोक्तावाद की उत्पत्ति पर चर्चा कीजिए। उपभोक्ता आंदोलन के उदय का संक्षिप्त विश्लेषण कीजिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    (i) बलपूर्वक स्थानान्तरण और दासता

    (ii) शीत युद्ध

    (iii) रूसी क्रांति का महत्व

    (iv) छपाई (print) तकनीकी का विकास

एम.एच.आई.-04: भारत में राजनीतिक संरचनाएं
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-04

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-04/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2022-23

पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. संगम साहित्य में वर्णित प्रारंभिक तमिल राजव्यवस्था पर एक लेख लिखिए। **20**

2. आरंभिक मध्यकालीन (early medieval) राजव्यवस्था के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोणों का विश्लेषण कीजिए। **20**

3. मुग़ल राज्य की प्रकृति की व्याख्या करते विभिन्न दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए। **20**

4. देशी रियासतों (princely states) की संप्रभुता तथा प्रशासनिक तंत्र पर चर्चा कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   (i) औपनिवेशिक (colonial) सैन्य प्रणाली

   (ii) औपनिवेशिक राज्य के अंतर्गत नौकरशाही

भाग-ख

6. मौर्य प्रशासन पर एक लेख लिखिए। **20**

7. प्राचीन भारत में न्याय व्यवस्था का विश्लेषण कीजिए। **20**

8. दिल्ली सल्तनत के अंतर्गत प्रांतीय व स्थानीय प्रशासन की चर्चा कीजिए। **20**

9. औपनिवेशिक और राष्ट्रवादी विरासत ने उत्तर-औपनिवेशिक भारतीय राजतंत्र को किस प्रकार प्रभावित किया व उसे आकार दिया? **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    (i) ब्रिटिश शासन के अंतर्गत भू-राजस्व बन्दोबस्त

    (ii) आंग्ल-प्राच्यवादी (Anglo-Oriental) विवाद एवं 1854 का शैक्षिक प्रेषण (Educational Dispatch)

एम.एच.आई.-05: भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-05

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-05/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2022-23

पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. मध्यकालीन अर्थव्यवस्था के अध्ययन संबंधी विभिन्न दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए। **20**

2. मौर्य कालीन अर्थव्यवस्था की प्रकृति तथा पैटर्न का परीक्षण कीजिए। **20**

3. 9-13वीं शताब्दियों में चोल कालीन कृषीय तथा राजस्व व्यवस्थाओं का विश्लेषण कीजिए। **20**

4. मध्यकाल में शिल्प उत्पादन के संगठन की प्रकृति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   (i) आहड और जॉर्वे सभ्यताओं के मुखियातंत्रीय-समाज

   (ii) हड़प्पाकालीन लंबी दूरी का व्यापार

   (iii) प्रायद्वीपीय भारत में रोमन सिक्के तथा उनके फैलाव का पैटर्न

   (iv) *खुदकाश्त* तथा *पाही-काश्त* कृषक

भाग-ख

6. भागीदारी तथा दलाली के विशेष संदर्भ में मध्यकालीन भारत की व्यापारिक पद्धतियों पर एक नोट लिखिए। **20**

7. अठारहवीं शताब्दी में भारतीय व्यापारियों तथा व्यापार पर यूरोपीय हस्तक्षेप के प्रभावों की चर्चा कीजिए। **20**

8. औपनिवेशिक काल में व्यावसायीकरण के सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। **20**

9. अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध तथा उन्नीसवी शताब्दी के पूर्वार्द्ध में भारतीय लघु उद्योगों में आने वाले परिवर्तनों का संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत कीजिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    (i) मध्यकाल में सिंचाई तकनीकी

    (ii) मुगल पुल

    (iii) बिड़ला ब्रदर्स

    (iv) पंचवर्षीय योजनाएँ